Availability of Dredger for Removing Sand in Ports

*99. SHRI E. K. IMBICHIBAWA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state whether Government propose to make available dredgers for removing the excess sand from harbours in Kerala in view of the difficulties faced by the fishing trawlers in entering into almost all the fishing harbours in Kerala due to heavy silting of sand?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): The maintenance of fishing harbours at places other than major ports is the responsibility of the State Government. The Government of Kerala is reported to be having its own dredgers and there should be no difficulty in utilising their dredgers for removing sand from fishing harbours. Moreover, the State Government can also enter into contracts with dredging firms including the Dredging Corporation of India, a Public Sector Undertakings under the Ministry of Shipping and Transport for doing the dredging work.

S.T.D. between Delhi and Cities of West Bengal

*100. SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to connect Asansol, Raniganj, Durgapur, Burdwan with Delhi through S.T.D. facilities; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI C. M. STEPHEN): (a) Yes, Sir.

(b) Burdwan is shortly expected to be connected with Delhi by STD through Calcutta and Delhi Trunk Automatic Exchange. Asansol, Raniganj and Durgapur are expected to be connected with Delhi through STD, in the year 1980-81 on completion of a direct link between the Asansol Trunk Automatic Exchange and the Delhi Trunk Automatic Exchange.

बिहार के प्रभावग्रस्त तथा दुर्भिक्ष ग्रस्त क्षेत्र

*101. श्री रामावतार शास्त्री :
श्रीमती कृष्णा साही :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार सरकार ने 307 खण्डों को प्रभावग्रस्त तथा दुर्भिक्षग्रस्त घोषित किया है ;

(ख) यदि हां, तो जिला-वार उनकी संख्या क्या है और राहत उपलब्ध करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं ;

(ग) क्या पटना जिले के दानापुर, बिहटा, विक्रम, नौबतपुर, पटना सदर तथा नोकामा खण्डो को सरकार द्वारा न तो प्रभावग्रस्त और न दुर्भिक्ष-ग्रस्त घोषित किया गया है, यद्यपि वहां पर फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं; और

(घ) यदि हा, तो उसके क्या कारण हैं ?

कृषि और ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह राव) : (क) बिहार सरकार ने 307 खण्डो को अकालग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है ।

(ख) ऐसे खण्डो की ज़िलेवार सख्या सलग्न विवरण में दी गई है ।

इन क्षेत्रों में राहत उपलब्ध कराने के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए हैं :—

(1) स्थिति का मौके पर जायजा लेने के लिए 11 से 13 मार्च, 1979 तक बिहार का दौरा करने वाली केन्द्रीय दल की रिपोर्ट के आधार पर तथा राहत सम्बन्धी उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों पर भारत सरकार ने मवेशियो के लिए चारे की सप्लाई, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से सम्बन्धित बच्चों एवं गर्भवती/दूध पिलाने वाली माताओ को कुपोषण से बचाने, पर्याप्त अतिरिक्त रोजगार सृजित करने के लिए सभी सिचाई कार्यों को तेज करने तथा लघु एवं सीमान्त कृषकों को कृषि आदानों पर राज सहायता देने जैसे राहत सम्बन्धी कार्य करने के लिए बिहार सरकार को 1182 लाख रुपये की केन्द्रीय सहायता की अधिकतम सीमा की स्वीकृति प्रदान की है ।

(2) इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में रोजगार सृजित करने वाली स्कीमों के लिए सामान्य तथा विशेष कार्यक्रमों के तहत,

3.21 लाख मीटरी टन खाद्यान्न भी आवंटित किया है। इसके अतिरिक्त, समाज के कमजोर वर्गों के लिए पोषण के लिए अनाज कार्यक्रम के तहत 12500 मीटरी टन खाद्यान्न भी आवंटित किया गया है।

(3) भारत सरकार ने कृषि आदानों की खरीद और वितरण के लिए खरीफ एवं रबी मौसमों की फसलों के लिए 1073 लाख रुपये का अल्पावधि ऋण भी स्वीकृत किया है।

(4) बिहार सरकार ने इन क्षेत्रों में लगान एवं ऋण की वसूली भी रोक दी है। जिन किसानों ने अपने ऋणों को स्वेच्छा से अदा कर दिया है, उनके ब्याज माफ कर दिए गए हैं।

(ग) तथा (घ) राज्य सरकार पटना जिले के दानापुर, पटना सदर तथा मोकामा खण्डों को अकालग्रस्त/अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित करने के प्रश्न पर विचार कर रही है।

राज्य सरकार ने सूचित किया है कि बिहटा, बिक्रम, नौबतपुर को अकालग्रस्त अथवा अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित करने का औचित्य नहीं है।

विवरण

जिले का नाम	जिले में खण्डों की कुल संख्या	राज्य सरकार द्वारा घोषित अकालग्रस्त खण्डों की संख्या
1	2	3
(क) पूर्णरूप से अकालग्रस्त घोषित जिले		
1. हजारीबाग	24	24
2. धनबाद	10	10
3. गिरिडीह	18	18
4 पालमाऊ	25	25
5. रांची	43	43
6. सिंहभूम	32	32
7. नालंदा	12	12
8. बेगुसराय	11	11
(ख) आंशिक रूप से अकालग्रस्त घोषित जिले		
1 पटना	16	10
2 गया	25	24
3. नवादा	10	9
4. रोहतास	22	13
5. औरंगाबाद	11	8
6. भोजपुर	19	15
7. भागलपुर	21	12
8. मुंगेर	26	16

1	2	3
9. संथाल परगना	41	6
10. पुर्णिया	27	3
11. कटिहार	11	3
12. दरभंगा	11	3
13. सिवान	15	1
14. सारन	15	7
15. वैशाली	11	2
योग . . .	456	307

Widening of Ring Road near Naraina Village

649. SHRI DHARAM DASS SHASTRI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether the work relating to widening of the Ring Road near Naraina Village has been held up for a long time and no action is being taken to demolish unauthorised shops except with serving the shopkeepers/encroachers with repeated notices for the same;

(b) whether the narrow stretch of road is causing traffic bottlenecks and serious accidents; and

(c) if so, what measures are being taken to complete the widening work early?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING (SHRI P. C. SETHI): (a) The work has been held up for quite some time. In the four reported cases of unauthorised construction by the side of the Ring Road notices under the Delhi Development Act, 1957 have been issued. Demolition orders have also been passed in one case.

(b) It is likely to become a traffic bottleneck.

(c) The widening of road from the present 2 lanes to 4 lanes which will cover the entire land width from shop to shop on either side is in hand.

Consumption and Supply of Diesel and Kerosene

650. SHRI MAGAN BHAI BAROT: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) what is the annual consumption of diesel, State-wise;

(b) whether there is reduction in supply of diesel in January and February, 1980 to the States; if so, how much;

(c) whether Government are aware that the shortage of diesel has affected kerosene supply and whether kerosene is mixed by the dealers in diesel; and

(d) what steps are being taken to restore the supply of diesel and kerosene?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI VEERENDRA PATIL): (a) The total consumption of High Speed Diesel oil during 1978-79 was about 8.6 million tonnes in the States and Union Terri-